Sectors of Economy:
Primary, Secondary and Tertiary

आर्थिक क्रियाओं के वर्ग या अर्थव्यवस्था के कार्यक्षेत्र
(Sectors of Economy)

- मानव अपने जीनवयापन **(Living)** एवं आर्थिक लाभ **(Economic profit)** के लिए जो कार्य करता है, उन्हें आर्थिक क्रियाएं **(Economic Activities)** कहा जाता है।

- पृथ्वी तल पर संसाधन, जनसंख्या एवं तकनीकी उपलब्धता की विविधता के कारण क्षेत्रीय विविधता **(Areal Differentiation)** का जन्म होता है, जिसके कारण विश्व में विभिन्न प्रकार के आर्थिक भूदृश्य विकसित होते हैं।

आर्थिक क्रियाओं के वर्ग (Sectors of Economy)

प्राथमिक क्रियाएं Primary Activities	द्वितीयक क्रियाएं Secondary Activities	तृतीयक क्रियाएं Tertiary Activities	चतुर्थक क्रियाएं Quaternary Activities	पंचम क्रियाएं Quinary Activities
Red Collar Worker	**Blue Collar Worker**	**Pink Collar Worker**	**White Collar Worker**	**Gold Collar Worker**
शिकार **(Hunting)** संग्रहण **(Food Gathering)** पशुचारण **(Pastoralism)** लकड़ी काटना **(Lumbering)** कृषि **(Agriculture)** मछली पकड़ना **(Fishing)** खनन **(Mining)**	विनिर्माण **(Manufacturing)** प्रसंस्करण **(Processing)** निर्माण **(Construction)** ऊर्जा उत्पादन **(Energy Production)**	व्यापार एवं वाणिज्य **(Tread & Commercial)** परिवहन **(Transportation)** संचार **(Communication)** बैंक **(Banking)** बीमा **(Insurance)** पर्यटन **(Tourism)**	सूचना जनन आधारित अनुसंधान एवं विकास आधारित **(Information generation based research and development based work)**	विशेषज्ञ **(Specialist)** निर्णयकर्ता **(Decision makers)** परामर्शदाता **(Consultant)** नीति निर्धारक **(Policy maker)** प्रबधंक **(Manager)** प्रशासक **(Administrator)**

प्रमुख विशेषताएं

- ये क्रियाएं मुख्यतः भूमध्यरेखीय उष्ण कटिबंधीय क्षेत्र, उपध्रुवीय क्षेत्र एवं मरूस्थलीय क्षेत्रों में की जाती हैं।
- इनमें तकनीकी एवं वैज्ञानिक विधियों की आवश्यकता/उपयोग कम होती है।
- इनमें उत्पादित वस्तुएं द्वितीयक व्यवसायों के लिए कच्चा माल होती हैं।
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में इनका योगदान कम ही होता है।
- पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव अधिक नही पड़ता है।

द्वितीयक क्रियाएं–

- प्राथमिक क्रियाओं से प्राप्त वस्तुओं की सहायता से उनका उपयोग करके अन्य नवीन वस्तुओं के उत्पादन के लिए की जाने वाली आर्थिक क्रियाओं को द्वितीयक व्यवसाय कहते हैं। अतः कच्चे माल से आवश्यक वस्तुओं का निर्माण करने वाली समस्त क्रियाओं को इसमें सम्मिलित किया जाता है।

- सभी उद्योग–धंधे एवं निर्माण कार्य द्वितीयक क्रियाएं हैं जिन्हें विनिर्माण उद्योग भी कहा जाता है। द्वितीयक क्रियाओं के दौरान निर्मित वस्तुएं अधिक उपयोगी होती है और उनके मूल्य में वृद्धि हो जाती है।

- मिट्टी से बर्तन बनाना, गेंहू से बिस्कूट या आटा बनाना, कपास से कपड़े बनाना, लकड़ी से फर्नीचर बनाना, धातुओं से उपकरण बनाना आदि। विकसित देशों की जनंसख्या का एक बडा भाग इस प्रकार के व्यवसायों से जुड़ा हुआ है।

प्रमुख विशेषताएं

- ये क्रियाएं प्राथमिक एवं तृतीयक क्रियाओं से घनिष्ठ रूप से जुड़ी रहती है।
- इनमें प्रशासनिक अधिकारी, तकनीकी स्टाफ–इंजीनियर्स, कुशल श्रमिक, अर्द्धकुशल श्रमिक, अकुशल श्रमिक सभी मशीनरी के साथ कार्य करते हैं।
- इनमें कच्चे माल से वस्तुए बनायी जाती है जो अधिक उपयोगी होती हैं।
- उत्पादन के प्रक्रिया में वस्तुओं की कीमतों में भी वृद्धि हो जाती है।
- किसी देश के विकास के लिए इनका विकास आवश्यक है।
- इनका सर्वाधिक विकास विकसित देशों में हुआ है।
- ये पर्यावरण के लिए अत्यंत हानिकारक हैं।

तृतीयक व्यवसाय

- संचार–समस्त प्रकार के संचार साधन–पत्र पत्रिकाएं, डाक, रेडियों, टेलीविजन, इन्टरनेट, टेलीफोन, मोबाइल, ऑनलाइन व्यापार आदि।
- व्यापार–एक छोटी दुकान से लेकर थोक व्यापार एवं व्यापार संबंधी बिचोलिएं, दलाल आदि सभी।
- परिवहन–सभी प्रकार के परिवहन के साधनों से जुड़े हुए लोग एवं सुविधाएं।
- सेवाएं–बैंक, बीमा एवं अन्य सुविधाओं से संबंधित सेवाएं।
- पर्यटन–परिवहन, होटल, रेस्टोरेंट, गाइड आदि।

प्रमुख विशेषताएं

- ये सेवाओं से संबंधित आर्थिक क्रियाएं है जिनमें किसी प्रकार का प्रत्यक्ष उत्पादन नहीं होता है।
- विकसित देशों में इनका विकास सर्वाधिक है, इनकी तुलना में विकासशील देशों में कम एवं अविकसित देशों में बहुत कम विकास हुआ है।
- ये व्यवसाय उच्च तकनीकी पर आधारित है।
- प्रथम बार इन व्यवसायों को स्थापित करने की लागत अधिक आती है।
- इन व्यवसायों को वर्तमान में तेजी से विकास हो रहा है।
- इन क्रियाओं में आर्थिक लाभ अधिक होता है।
- इनमें वस्तुओं का नहीं बल्कि सेवाओं को मूल्य लिया जाता है।
- इन क्रियाओं से अधिकांश उच्च शिक्षित वर्ग जुड़ा हुआ है।
- विकसित देशों की अधिकांश जनसंख्या इसी व्यवसाय से जुड़ी हुई होती है।
- सेवाओं से जुडी हुई कुछ क्रियाएं पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होती हैं। जैसे परिवहन से वायु प्रदूषण एवं मोबाईल एवं टावर की हानिकारक तरंगे आदि।

निष्कर्ष

- उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट है कि विश्व में कई प्रकार की आर्थिक क्रियाएं पाई जाती हैं जो वहां की भौतिक एवं मानवीय दशाओं पर आधारित होती हैं। वैसे प्रत्येक व्यवसाय एक दूसरे से जुड़े हुए होने के कारण इनको अलग करना अत्यंत कठिन है लेकिन फिर भी अध्ययन सुविधा के लिए इनकों कई वर्गों में बांट दिया गया है।
- मानव विकास के लिए ये व्यवसाय अत्यंत आवश्यक हैं लेकिन इनसे पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है जो जीवों के लिए खतरा है।